सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 26 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 26 फरवरी, 2022

मूल्य ₹ 3/-

हर व्यक्ति की आत्मा अमर होती है लेकिन जो व्यक्ति नेक होते हैं उनकी आत्मा अमर और दिव्य होती है।

सुकरात

पांच साल से महंगाई, अब... 2 | रसगुल्ला विक्ट्री नहीं मिलेगी भाजपा... 3 | ड्यूटी से गैरहाजिर रहने पर 55... 7

कल की वोटिंग से पहले अखिलेश का डबल इंजन सरकार पर जोरदार हमला

बलरामपुर में बोले सपा प्रमुख, कई जिलों में नहीं खुलेगा भाजपा का खाता

» किसानों की आय नहीं हुई दोगुनी, सबकुछ बेच रही है भाजपा सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलरामपुर। पांचवें चरण के मतदान से पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज बलरामपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि हर चरण के साथ सपा गठबंधन बढ़त बनाता जा रहा है। कई जिलों में भाजपा का खाता नहीं खुलेगा। बलरामपुर के लोगों का उत्साह बता रहा है कि यहां भी अब भाजपा का खाता नहीं खुलेगा। डबल इंजन सरकार की झूठ की पटरियों को जनता उखाड़कर फेंक देगी। नोटबंदी से न ही भ्रष्टाचार खत्म हुआ न ही कालाधन वापस आया। डबल इंजन की सरकार में केवल भ्रष्टाचार और महंगाई डबल हुई है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने जीएसटी लागू की लेकिन व्यापारियों को इससे कोई फायदा नहीं हुआ। वे परेशान हैं। कोरोना में लॉकडाउन लगा लेकिन भाजपा सरकार ने किसी की मदद नहीं की। मजदूर दूसरे राज्यों से पैदल चलकर यहां पहुंचे। कई लोगों की जान चली गयी। मरने वालों के परिजनों की मदद केवल सपा के लोगों ने की। कोरोना काल में लोगों को दवा, ऑक्सीजन और अस्पतालों में बिस्तर नहीं मिले। इससे बड़ी संख्या में लोगों की जान चली गयी। सरकार ने आज तक कोरोना से मरने वालों की संख्या नहीं बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा से अधिक झूठ बोलने वाली कोई पार्टी नहीं है। भाजपा का जो जितना बड़ा नेता है वह उतना बड़ा झूठ बोल रहा है। भाजपा ने कहा था कि हवाई चप्पल पहनने वाला हवाई जहाज में चलेगा लेकिन जैसे ही सत्ता में आयी सभी हवाई जहाज बेच दिए। हवाई अड्डे, रेलगाड़ी और रेलवे की कीमती जमीनें बेची जा रही हैं। जब सब बिक जाएगा तो रोजगार कहां से आएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने वादा किया था कि किसानों की आय दोगुनी होगी, लेकिन किसी की आय दोगुनी नहीं हुई। गन्ने का भुगतान नहीं हुआ है। सपा सरकार आयी तो किसानों का पंद्रह दिन के अंदर भुगतान करेंगे। किसानों का धान लूट लिया गया। खाद नहीं मिली। खाद की बोरी में पांच किलो की चोरी हो गयी।

अमीरों की तिजोरी भर रही भाजपा सरकार

अखिलेश यादव ने कहा कि डीजल और पेट्रोल महंगा हो गया। भाजपा के लोग गरीबों की जेब से पैसा निकाल कर अमीरों की तिजोरी भर रहे हैं, अगर गरीब आदमी बैंक से लोन लेने जाता है तो उसका घर-जमीन गिरवी रख लेते है और कई बार नीलाम वाली स्थिति बन जाती है लेकिन एक उद्योगपति 28 बैंकों का पैसा लेकर भाग गया। सभी जानते हैं कि वह उद्योगपति कहां का है। गुजरात के कई उद्योगपति पैसा लेकर भाग चुके हैं।

केवल भ्रष्टाचार और महंगाई हुई डबल, कोरोना काल में नहीं की किसी की मदद

यूक्रेन में जंग तेज, हर ओर तबाही का मंजर

» सड़कों पर दौड़ रहे रूसी टैंक, अमेरिका ने यूक्रेन की सहायता को खोला खजाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कीव। यूक्रेन पर रूसी सेना ने युद्ध के तीसरे दिन अपना आक्रमण तेज कर दिया है। रूसी सैनिकों ने यूक्रेन के मेलिटोपोल शहर पर कब्जा कर लिया है। रूस द्वारा कीव के विक्ट्री एवेन्यू पर सैन्य इकाइयों को निशाना बनाया गया है। रूसी सैनिक यूक्रेन की राजधानी कीव के काफी करीब पहुंच चुके हैं और वहां की सड़कों पर रूसी टैंक दौड़ रहे हैं। हर ओर धमाके की आवाज सुनायी दे रही है। वहीं रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अन्य देशों को धमकी दी है कि कोई भी बीच में न पड़े नहीं तो उसे भी अंजाम भुगतना पड़ सकता है। रात दिन हो रहे धमाकों से देश में दहशत है और लोग पलायन कर रहे हैं।

रूस ने अब तक 211 सैन्य ठिकानों को किया नष्ट, कीव एयरपोर्ट के पास हमला

यूक्रेन के राष्ट्रति जेलेन्सकी ने कीव से एक वीडियो जारी कर इस बात की पुष्टि की वे रूस का सामना करने के लिए कीव में डटे हुए हैं। यूक्रेन की सेना का दावा है कि उन्होंने 1000 से ज्यादा रूसी सैनिकों को मार गिराया है। वहीं रूसी रक्षा मंत्रालय का दावा है कि उन्होंने यूक्रेन के 211 सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया है। जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपना खजाना खोल दिया है। बाइडेन ने यूक्रेन को 350 मिलियन डॉलर की सैन्य सहायता देने का ऐलान किया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि लंबे युद्ध के लिए दुनिया को तैयार रहना चाहिए।

यूक्रेन में फंसे छात्रों को वापस लाने रोमानिया पहुंचा भारतीय विमान

यूक्रेन में फंसे भारतीय को लाने के लिए एयर इंडिया की दूसरी फ्लाइट दिल्ली से बुखारेस्ट (रोमानिया) के लिए उड़ान भरी। पहली फ्लाइट रोमानिया पहुंच चुकी है। विमान आज तमाम भारतीय छात्रों को लेकर स्वदेश पहुंचेगा। छात्रों के परिजनों ने इसके लिए केंद्र सरकार को शुक्रिया कहा है।

पांचवें चरण का मतदान कल, पोलिंग पार्टियां रवाना

» 61 सीटों पर 692 प्रत्याशियों के भाग्य का होगा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव के पांचवें चरण का मतदान कल है। 27 फरवरी को मतदान कराने के लिए आज पोलिंग पार्टियां रवाना हो गयी है। पोलिंग पार्टियों के रवाना होने का क्रम सुबह से दोपहर तक चलता रहा। प्रयागराज, प्रतापगढ़ और कौशांबी से भी पोलिंग पार्टियां रवाना हो चुकी है। मतदाता इस चरण की 61 सीटों पर प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे।

प्रयागराज में मतदान के लिए 5080 बूथ बनाए गए हैं। मतदान कर्मियों को सुबह बैलेट यूनिट (ईवीएम), कंट्रोल यूनिट, वीपीपैट और स्टेशनरी देकर पोलिंग बूथ पर रवाना किया गया। वहीं प्रतापगढ़ की सात विधान सभा क्षेत्रों में मतदान होना है। यहां 1671 मतदान केंद्रों के लिए 2812 पोलिंग पार्टियों को रवाना किया गया। कौशांबी में 1329 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। पांचवे चरण में जिन जिलों में चुनाव होना है उसमें अयोध्या, बाराबंकी, सुल्तानपुर, अमेठी, प्रतापगढ़, प्रयागराज, कौशांबी, गोंडा, बहराइच, श्रावस्ती, चित्रकूट और रायबरेली (एक सीट के लिए) 27 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। इस चरण में सवा दो करोड़ मतदाता 61 सीटों पर 692 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे।

रोड शो में जनता ने बता दिया अयोध्या को अखिलेश पसंद है!

फोटो: सुमित कुमार

» रामनगरी में भाजपा पर बरसे सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कल आध्यात्म नगरी अयोध्या में रोड शो किया। रोड शो से पहले अखिलेश ने समर्थकों को संबोधित भी किया और राममंदिर निर्माण के लिए क्रेडिट ले रही भाजपा पर पलटवार किया। अखिलेश ने कहा कि बीजेपी सुप्रीम कोर्ट के फैसले को अपना बताकर पीठ थपथपा रही है। उन्होंने भूमि खरीद-बिक्री में कथित भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर भी निशाना साधा और कहा कि राम के नाम पर लूट हो रही है।

अखिलेश ने सपा सरकार बनने पर अयोध्या को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने का वादा करते हुए कहा कि अयोध्या का विकास इस तरीके से किया जाएगा कि व्यापारियों को नुकसान ना हो। जिन लोगों की जमीन ली जाएगी, उन्हें सर्किल रेट बढ़ाकर छह गुणा अधिक कीमत दी जाएगी। यह पवित्र नगरी है, पुण्य की धरती है। घर का टैक्स और पानी का टैक्स पूरा माफ होगा। 300 यूनिट बिजली भी माफ होगी। अयोध्या धार्मिक नगरी है, इसका संरक्षण और जो हमारी परंपरा है उसके तहत अयोध्या नगरी का विकास करेंगे। सपा प्रमुख बोले कि रोड शो में भाजपा को जनता ने बता दिया अयोध्या को समाजवादी पार्टी पसंद है। उन्होंने कहा ये तो सुप्रीम कोर्ट के फैसले को भी अपना मान रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर भी अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। सपा सरकार ने दो साल के अंदर 300 किलोमीटर का एक्सप्रेस वे बनाकर दिखा दिया। अखिलेश ने हा कि वोट लेने के लिए राममंदिर का निर्माण धीमी गति से कराया जा रहा है। हमारी सरकार बनने पर तीव्र गति से मंदिर का निर्माण होगा।

चार चरणों में भाजपा बहुमत की ओर : स्मृति ईरानी

» लड़की हूं लड़ सकती हूं... अभियान पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अमेठी की सांसद स्मृति ईरानी का कहना है कि वायनाड में बैठकर अमेठी की जनता को गाली देने वाले कांग्रेसी नेता राहुल गांधी किस मुंह से अमेठी की जनता से वोट मांगने आते हैं। लड़की हूं लड़ सकती हूं अभियान में सच्चाई है तो प्रियंका ने स्वयं चुनाव क्यों नहीं लड़ा? कांग्रेस का अध्यक्ष पद किसी महिला को क्यों नहीं दिया जाता है?

स्मृति ईरानी ने समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर कहा, जिन मुद्दों से भारत का हित संरक्षित होता है, उन्हें लागू करने में मोदी सरकार पीछे नहीं हटेगी। राहुल गांधी चुनावी जीव हैं जो सिर्फ चुनाव में ही दिखते हैं। मैं आनंदित हूं कि हमें प्रमाणित करने का मौका मिल जाएगा कि राहुल और प्रियंका के आने से अमेठी में कांग्रेस हारती है। मैं हर्ष के साथ कह रही हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास के मुद्दे पर भाजपा को जनता का आशीर्वाद मिल रहा है। भाजपा की स्थिति बहुत अच्छी है, चार चरणों में भाजपा बहुमत की ओर बढ़ गई है।

बाराबंकी सीट रचेगा इतिहास : रामकुमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। बाराबंकी सीट से भारतीय जनता पार्टी ने सरकारी शिक्षिका डॉ. रामकुमारी मौर्या को टिकट दिया है। सरकारी नौकरी से इस्तीफा देने के बाद रामकुमारी चुनावी मैदान में ताल ठोक रही हैं। बाराबंकी सीट चार दशकों से किसी भी प्रमुख दल ने महिला प्रत्याशी नहीं उतारा था, लेकिन बीजेपी ने इस मिथक को तोड़ दिया। पहली बार भाजपा ने डॉ. रामकुमारी मौर्या पर भरोसा जताते हुए उन्हें उम्मीदवार बनाया है। बीजेपी की कोशिश है कि इस सीट पर कमल खिलाया जाए। बता दें बाराबंकी सीट पर कभी भी बीजेपी नहीं जीती है। रामकुमारी 16 वर्षों से विद्यालय में अध्यापन का कार्य कर रही थीं। उनका कहना है कि राजनीति के मंच से उन्हें व्यापक तौर पर समाज सेवा करने का मौका मिलेगा।

पीएम मोदी की तरफ उम्मीद से देख रहा यूक्रेन : अपर्णा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में चुनाव प्रचार तेज होता जा रहा है। इस बार भाजपा के लिए मुलायम सिंह यादव की बहू अपर्णा यादव प्रचार कर रही हैं। यही वजह है कि घर छोड़कर विरोधी खेमे में जाने को लेकर अकसर उनसे सवाल पूछे जाते हैं। इसी मुद्दे पर भाजपा नेता अर्पणा यादव ने कहा कि मैंने पार्टी छोड़ी है, परिवार नहीं।

मैं परिवार से अलग नहीं हूं। उन्होंने खुद को सच्चा समाजवादी कहने वालों पर भी निशाना साधा. कहा कि समाजवादी पार्टी में एक फीसदी लोगों को भी समाजवाद का मतलब नहीं पता है। अपर्णा यादव ने कहा कि राष्ट्र मेरे लिए पहले हैं। मैं परिवारवादी नहीं हो सकती। मैं परिवारवादी पॉलिटिक्स नहीं कर सकती हूं और न ही परिवारवादी विचारधारा आगे बढ़ा सकती हूं। मैं राष्ट्र चेतना के लिए काम करना चाहती हूं।

मुझे चुनाव नहीं लड़ना

मेरे चुनाव लड़ने को लेकर चर्चा का बाजार जरूर गर्म रहता था लेकिन मैं चुनाव नहीं लड़ना चाहती थी। इस बार मैं प्रचार-प्रसार में शामिल होना चाहती थी। मुझे लगता है कि पहले अपनी मैं पार्टी के लिए काम करूंगी और मेरे काम की काबिलियत को देखकर कोई फैसला हो।

पीएम मोदी पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी का तीखा वार, बोलीं

पांच साल से महंगाई, अब यूक्रेन जंग पर ठीकरा फोड़ेंगे

» पीएम मोदी को सिर्फ मेरे परिवार से दिक्कत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी पर आरोप लगाया कि उनको उत्तर प्रदेश की दिक्कतें नहीं पता, क्योंकि वे देश-विदेश घूमते हैं लेकिन जमीनी स्तर पर कुछ नहीं जानते। साथ ही प्रियंका ने कहा कि महंगाई के लिए पीएम मोदी अब रूस-यूक्रेन के मुद्दे को जिम्मेदार ठहराएंगे। यूपी चुनाव के बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मोदी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि वे हमारी घोषणाओं को अपने घोषणापत्र में डाल रहे हैं फिर भी मैं खुश हूं।

मुझे पता चल गया है कि महिलाओं को नकारा नहीं जा सकता है। प्रियंका ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री को मैं कहूंगी अगर परिवारवाद से परहेज है आपने कांग्रेस के नेता पुत्रों को अपनी पार्टी में क्यों लिया? आपको सिर्फ एक परिवार से परहेज है मेरे परिवार से क्योंकि हम झुकते नहीं आपके सामने। हमारे पीछे एजेंसियां लगा दीजिए पर हम नहीं झुकेंगे। प्रियंका ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने पूरी दुनिया का भ्रमण कर लिया पर जमीन पर नहीं आए। किसानों को कुचला गया तो भी कुछ कहा नहीं और आरोपी के बाप के साथ स्टेज पर खड़े रहे। महिलाओं के साथ अत्याचार हुआ तो भी कुछ नहीं बोले, जिस नेता को ये संज्ञान नहीं है कि यहां प्रदेश में सबसे बड़ी समस्या क्या है, जानवरों की कितनी बड़ी समस्या है, वह जमीन से जुड़े हुए नेता हैं? ये सब हमें संज्ञान है क्योंकि जब भी अत्याचार हुआ, हम मौजूद रहे। प्रियंका ने कहा क्या प्रधानमंत्री गौशाला गए? हम गए गौशाला तो क्या कह रहे हैं पीएम? जमीन से नहीं जुड़े हैं जो हवाई जहाज में सारे राष्ट्रपतियों-प्रधानमंत्रियों के साथ घूमते हैं। इसके बाद महंगाई का मुद्दा उठाते हुए प्रियंका ने कहा महंगाई और बढ़ेगी तो रूस का बहाना करते रहेंगे, लेकिन काम नहीं करेंगे।

रसगुल्ला विक्ट्री नहीं मिलेगी भाजपा को

2017 के विधान सभा चुनाव में गोरखपुर की 9 में से 8 सीटों पर जीती थी भाजपा

आनंद सिंह

गोरखपुर। गोरखपुर पूर्वांचल का वह जिला है, जहां आज से 4 दशक पहले पहली बार लोगों ने एके-47 की तड़तड़ाहट सुनी थी। इन चार दशकों में गोलियों की तड़तड़ाहट कभी कम नहीं हुई। चाहे रेलवे के टेंडर हथियाने के लिए फायरिंग करनी पड़ी हो या मनबढ़ई को खत्म करने के लिए, गोलियों का दौर इस इलाके में कभी रूका ही नहीं। आज बेशक बड़े-बड़े फ्लाईओवर बनाने और घोषणाओं के बंपर विज्ञापनों के बावजूद इस सच्चाई को छुपाने का प्रयास किया जा रहा हो लेकिन इस माटी की तासीर ऐसी है कि हर बात का जवाब पूरी ताकत के साथ दिया ही जाता है। यह जवाब कोई भी दे सकता है। चाहे वह चाय बेचने वाला हो या रिक्शा-आटो रिक्शा चलाने वाला। अगर आपको लगता है कि इन पांच वर्षों में गोरखपुर में कोई आमूल-चूल परिवर्तन हुआ है तो आप गलत हैं। गोरखपुर अपनी गति से चल रहा है। बेरोजगारी, महंगाई, अस्पतालों की बदहाली बड़े मुद्दे हैं जो इन चुनावों में छाये हुए हैं। हां, कुछ सड़कें चौड़ी हुई हैं, रामगढ़ताल को सुंदर बनाया गया है, एम्स की स्थापना हो चुकी है, फर्टिलाइजर का चक्का भी एक बार चल चुका है और गरीबों को मार्च तक मुफ्त में अनाज मिल रहा है। पर, जिस विकास की गंगा बहाने की बात लगातार कही जा रही है, वह कम से कम गोरखपुर जिले के 9 विधान सभाओं में तो नहीं ही दिख रहा है।

3 मार्च को गोरखपुर जिले के 9 विधान सभा क्षेत्रों में वोट पड़ेंगे। परिणाम क्या होगा, यह तो 10 मार्च को ही पता चलेगा लेकिन हम उन 9 विधानसभाओं में घूम कर आए हैं। हमने देखा कि जमीनी मुद्दे क्या हैं, समीकरण क्या हैं, जातीय समीकरण की स्थिति क्या है, विकास के मुद्दे क्या हैं। सबसे अहम बात यह दिखी कि इन नौ विधान सभाओं में एक भी विधान सभा का एक भी प्रत्याशी विकास के मुद्दे पर बात करता नजर नहीं आया। जिस जिले का मुख्यमंत्री का हो, वहां भी बात जाति को लेकर, धर्म को लेकर, हिंदू-मुसलमान को लेकर, अगड़े-पिछड़े को लेकर हो रही है। विकास इस चुनाव से गायब है।

बीते चुनाव की बात करें तो 9 में से 8 विधान सभा सीटों पर कमल फूल खिला था। तब मोदी के चेहरे पर लोगों ने टूटकर वोट दिये थे। उस दौर में भी चिल्लूपार से बसपा प्रत्याशी विनय शंकर तिवारी ने जीत हासिल की थी। उनकी यह जीत कई लोगों को चुभी भी पर उस चुभन का क्या अर्थ। जो जीत गया, वह जीत गया। लेकिन, आप अगर 2022 की बात करें तो भाजपा शायद ही 2017 वाले परिणाम की उम्मीद कर सकती है। सेंध लग चुकी है। भाजपा वाले भी मानते हैं कि जो डिलीवरी होनी थी, जिस तरीके से होनी थी, वह नहीं हो पाई। फिर, भाजपा का एक बड़ा वर्ग इस बात को लेकर भी नाराज है कि इन पांच सालों में उनका एक भी काम नहीं हो पाया। न तो स्थानीय स्तर पर, न ही ऊपर के स्तर पर। तो एक अंडरकरंट गोरखपुर भाजपा इकाई में भी है। यह क्या गुल खिलाता है, देखने वाली बात होगी। लोग दूसरी लहर में पटापट मर रहे लोगों को नहीं भूल पाए हैं। राजघाट पर जलने वाली चिताओं के चित्र लोगों के हृदयपटल पर अंकित हैं। अभी तो साल भी नहीं हुआ है। घाव हरा है। सरकारी कामकाज जिस तरीके से दूसरी लहर में हुए, उसे भी लोग भुला नहीं पाए हैं।

तीन मार्च को चुनाव, विधान सभा सीटों पर साधे जा रहे समीकरण

गोरखपुर शहर

गोरखपुर शहर के विधायक हैं डा. राधा मोहन दास अग्रवाल। इस बार इनका टिकट काट दिया गया। अब गोरखपुर शहर से चुनाव लड़ रहे हैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। पार्टी मान कर चल रही है कि अपना चुनाव तो योगी आसानी से जीत ही लेंगे लेकिन यह एकतरफा जीत नहीं होगी। बेशक भाजपा का कैडर बहुत बड़ा है गोरखपुर में पर समाजवादी पार्टी के कैडर को भी भूलना नहीं चाहिए। यहां से समाजवादी पार्टी ने सुभावती शुक्ला को योगी के सामने खड़ा किया है जो भाजपा के दिग्गज रहे उपेंद्र दत्त शुक्ला की बेवा है। उपेंद्र दत्त शुक्ला भाजपा के वफादार रहे। कई चुनाव भी लड़े पर हार गए। लेकिन, जिस तरीके से उपेंद्र दत्त शुक्ला की मौत के बाद उनके परिवार को पार्टी की उपेक्षा का सामना करना पड़ा, उससे उनके परिजन और समर्थकों के साथ ब्राह्मण समाज के लोग भी खासे नाराज हैं। इस नाराजगी को वक्त-बे-वक्त हाते से भी हवा मिलती है। इसमें कोई शक नहीं कि उपेंद्र दत्त शुक्ला विप्र समाज के बड़े नेता थे। अब देखना यह होगा कि उनकी मौत के बाद कितने लोग उनकी बेवा के पक्ष में मतदान करते हैं। आजाद समाज पार्टी के सर्वेसर्वा चंद्रशेखर आजाद रावण भी यहां से ताल ठोक रहे हैं। वह जाटव वोटों के भरोसे हैं। जाटव समाज के लोग रावण का कितना भला कर पाते हैं, यह देखना होगा। वैसे, रावण को यहां कोई नोटिस तक नहीं कर रहा। योगी आदित्यनाथ जब सांसद थे, तब वह गोरखपुर की बात जोर-शोर से लोक सभा में उठाते थे। जब से मुख्यमंत्री बने हैं, उन्होंने गोरखपुर में कई काम करवाए। लेकिन, उनके कई बयान विवादों में रहे। उनका ठाकुरों वाला बयान खूब सुर्खियों में रहा। सियासी दिग्गज कहते हैं कि उनके इस बयान से राजपूत वोटर इटैक्ट हो जाएंगे। वैसे, राजपूत वोटर कभी इटैक्ट नहीं हुए। इस बार लेंगे, यह कहा नहीं जा सकता। राजपूत वोटर हैं ही कितने गोरखपुर जिले में। 10 फीसद से भी कम। पूरे उत्तर प्रदेश में राजपूत वोटर मात्र 7 फीसद हैं। देखना होगा, इस चुनाव में ये इटैक्ट रह पाते हैं या नहीं। हां, योगी की साफ-सुथरी छवि उनके चुनाव में सहायक होगी और यह तय माना जा रहा है कि वह चुनाव जीत लेंगे पर देखना यह भी दिलचस्प होगा कि उनकी जीत का अंतर क्या होता है। 2017 के चुनाव में राधा मोहन दास अग्रवाल ने 60,73,0 वोटों के अंतर से चुनाव जीता था। उन्हें कुल 1,22,22,1 वोट मिले थे जबकि कुल वोटरों की संख्या कोई 4 लाख के आस-पास थी। यह भी मजेदार तथ्य है कि उस चुनाव में डा. अग्रवाल ने एक भी नुक्कड़ सभा नहीं की, घर से बाहर निकले ही नहीं वोट मांगने के लिए और किसी बड़े या छोटे नेता का कार्यक्रम भी नहीं हुआ था। तब यह रिजल्ट था। अब 2022 के इस चुनाव में यह भी देखना होगा कि जो वैश्य वोटर राधा मोहन के नाम पर रीझ जाता था, जम कर वोट करता था, वह इस बार कैसे रिएक्ट करता है।

खजनी

खजनी सुरक्षित सीट है। यह भाजपा के पास है। 2017 में संत प्रसाद यहां से चुनाव जीते थे। इस बार उन्हें टिकट नहीं दिया गया। भाजपा ने इस बार यहां से श्रीराम चौहान को लड़ाया है। उनके सामने सपा की रूपवती ताल ठोक रही हैं। संत प्रसाद ने खजनी में अनेक विकास कार्य करवाए और उनकी स्थिति बेहतर थी। कहते हैं, लोगों की शिकायत पर उनका टिकट काटा गया। खैर, उनके टिकट काटने का क्या असर होगा, यह तो 10 मार्च को ही पता चलेगा। खजनी में कांटे की लड़ाई है और त्रिकोणीय लड़ाई है। यहां श्रीराम चौहान वर्सेस रुपवती वर्सेस विद्या सागर (बसपा) के बीच लड़ाई है। यहां बेलदार वोटर निर्णायक हैं। रुपवती बेलदार समाज से ही आती हैं। पहले बेलदार भाजपा के साथ थे। अब चूंकि संत प्रसाद नहीं हैं तो संभव है कि बेलदार वोटर भाजपा से छिटक जाएं। वैसे, श्रीराम चौहान भी बेलदार हैं पर सरनेम चौहान के नाते एक कन्फ्यूजन है कि वे चौहान हैं या बेलदार। फिर, रहने वाले वह धनघटा के हैं। लोग उन्हें बाहरी मान रहे हैं। तो लड़ाई त्रिकोणीय है और यह कह पाना बहुत मुश्किल है कि जीतेगा कौन। हां, बेलदार जिस पार्टी को एकजुट होकर वोट कर देंगे, वह जीत जाएगी। इसी के लिए सभी लोग तगड़ी कवायद कर रहे हैं।

बांसगांव

बांसगांव सुरक्षित सीट है। यहां के सांसद कमलेश पासवान के अनुज विमलेश पासवान यहां से चुनाव लड़ रहे हैं-भाजपा उम्मीदवार के रूप में। उनके सामने कांग्रेस की पूनम आजाद तो सपा के डा. संजय कुमार हैं। यहां मुकाबला त्रिकोणीय है। प्रतिदिन हालात बदल रहे हैं। कभी डा. संजय के पक्ष में माहौल बनता है तो कभी विमलेश के। बांसगांव में भाजपा का कैडर मजबूती के साथ कमान संभाले हुए है। हां, आसानी से किसी को जीत मिलने वाली नहीं। माना जा रहा है कि पिछड़ी जातियों का वोट सपा के साथ है तो अगड़ी और एससी जातियों का वोट भाजपा के साथ।

भितरघात की आशंका

गोरखपुर शहर के चुनाव में भितरघात की जबरदस्त आशंका है। ब्राह्मणों का एक बड़ा वर्ग योगी से नाराज है। वैश्य समुदाय भी योगी से नाराज है कि राधा मोहन का टिकट क्यों काटा गया। वैश्य और ब्राह्मण, ये दोनों कम से कम गोरखपुर जिले में भाजपा के परंपरागत वोटर रहे हैं। लेकिन, इस बार भी परंपरा के अनुरूप वोटिंग होगी, यह कोई भी दावे के साथ नहीं कह सकता। चिल्लूपार से चुनाव लड़ रहे सपा के विनय शंकर तिवारी कभी योगी का नाम नहीं लेते लेकिन वह सरकार शब्द का उच्चारण कर आरोपों की बौछार कर देते हैं। वह एक लाइन से ब्राह्मणों पर हुए अत्याचार की फेहरिस्त गिना देते हैं। माना जा रहा है कि अब तक साइलेंट रहे ये वोटर 3 मार्च को कोई बड़ा उलटफेर कर सकते हैं।

गोरखपुर ग्रामीण

गोरखपुर ग्रामीण में दोतरफा मुकाबला है। फिलहाल यह सीट भाजपा के पास है। बिपीन सिंह यहां के विधायक हैं। गोरखपुर ग्रामीण से पूर्व में विधायक रह चुके विजय बहादुर यादव उन्हें सपा उम्मीदवार के रूप में कड़ी टक्कर दे रहे हैं। बिपीन सिंह का नाम बहुत देर में फाइनल हुआ। उन पर आरोप है कि वह क्षेत्र में दिखते ही नहीं। निषाद समाज उनसे खफा है। कई वीडियो ऐसे वायरल हुए हैं जिसमें निषाद समाज के लोग सीधे-सीधे बिपिन सिंह को हराने की कसमें खा रहे हैं। माना जा रहा है कि बिपिन सिंह से निषाद वोटर नाराज है और बहुत संभावना है कि वह इटैक्ट होकर सपा को वोट कर दे। अगर ऐसा हुआ तो विजय बहादुर यादव एक बड़ी जीत दर्ज करने में कामयाब हो सकते हैं।

चिल्लूपार

पंडित हरिशंकर तिवारी का अपना इलाका है चिल्लूपार। वहां से वह विधायक रहे। प्रायः सभी सरकारों में कैबिनेट मंत्री भी रहे। राजेश त्रिपाठी जब बसपा में थे तो उन्होंने दो बार हरिशंकर तिवारी को हराया। पिछली बार यानि 2017 में वह तिवारी जी के सबसे छोटे बेटे विनय शंकर तिवारी से चुनाव हार गए। उस दौर में, जब भाजपा ने गोरखपुर जिले की 9 विधानसभाओं में से 8 पर जीत दर्ज की थी, उस लहर में भी विनय शंकर तिवारी बसपा के टिकट पर चुनाव लड़े और जीते। इस बार की टक्कर कांटे की है। एक तरफ सपा के टिकट पर विनय शंकर तिवारी हैं तो दूसरी तरफ भाजपा ने राजेश त्रिपाठी को अपना उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस के टिकट पर सोनिया शुक्ला चुनाव लड़ रही हैं। यहां के हालात भी शेयर बाजार के सेंसेक्स की तरह उठते-गिरते रहते हैं। कभी राजेश त्रिपाठी तो कभी विनय का जोर आगे-पीछे होता रहता है। कमाल की बात यह है कि इस बार के चुनाव में कांग्रेस, सपा और भाजपा ने ब्राह्मण प्रत्याशियों को ही खड़ा किया है। यहां का चुनाव यकीनन लोगों की सांस रोक कर रखेगा।

कैंपियरगंज

समाजवादी पार्टी में वन एवं पर्यावरण मंत्री रहे फतेहबहादुर सिंह कैंपियरगंज के विधायक हैं। अब भाजपा में हैं। भाजपा की सीट से ही चुनाव लड़ रहे हैं। उनके सामने कांग्रेस के सुरेश निषाद और सपा की काजल निषाद है। मुख्य मुकाबला भाजपा और सपा में है। काजल निषाद भी जम कर मेहनत कर रही हैं। वह कैंपियरगंज के पिछड़ेपन को मुद्दा बना कर लोगों से मिल रही हैं। फतेहबहादुर डबल इंजन सरकार की योजनाओं और कार्यों को लेकर चुनाव मैदान में हैं।

पिपराइच विधानसभा

पिपराइच विधानसभा भी भाजपा के कब्जे में है। 2017 में पिपराइच में कुल 33.63 प्रतिशत वोट पड़े थे। यहां से महेंद्र पाल चुनाव जीते थे। इस बार भी वह चुनाव मैदान में हैं। उनका मुकाबला जमुना निषाद के बेटे अमरेंद्र निषाद से है। अमरेंद्र, निषाद वोटों के दम पर यहां से ताल ठोक रहे हैं। इस बार जिस तरीके से निषादों का समर्थन अमरेंद्र को मिल रहा है, वह बाजी पलट भी सकता है। मुकाबला कांटे का है। एकतरफा जीत किसी की होने से रही। माना जा रहा है कि जीत और हार का अंतर बेहद कम होगा।

चौरी-चौरा

चौरी-चौरा में सपा ने कैप्टन बृजेश चंद्र लाल को अपना प्रत्याशी बनाया है तो कांग्रेस ने जीतेंद्र पांडेय को। भाजपा की तरफ से सरवन निषाद ताल ठोक रहे हैं। मुकाबला भाजपा और सपा में है।

सहजनवां

कभी सांसद योगी आदित्यनाथ के प्रतिनिधि रहे शीतल पांडे सहजनवां के विधायक हैं। संत प्रसाद, डा. राधा मोहन अग्रवाल के बाद शीतल पांडेय को भी भाजपा ने इस बार टिकट नहीं दिया। इस बार भाजपा ने प्रदीप शुक्ला पर अपना दांव लगाया है। उन्हें कड़ी टक्कर दे रहे हैं सपा के यशपाल रावत। यशपाल रावत के लिए यह लड़ाई अहम है और सियासी माहौल उनके पक्ष में दिख रहा है क्योंकि वह कई बार चुनाव लड़ चुके हैं और इलाके लोग उन्हें जानते हैं। प्रदीप शुक्ला संघ से जुड़े रहे हैं और माना जाता है कि संघ के संकेत पर ही उन्हें टिकट दिया गया है। प्रदीप पहली बार चुनाव मैदान में हैं। वह लकड़ी कारोबारी हैं। देखना होगा दिलचस्प होगा कि लकड़ी कारोबारी चुनाव में अपनी क्या धमक दिखा पाते हैं जबकि उनके सामने एक मंझे हुए सपाई उम्मीदवार हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

महंगाई पर अंकुश लगाने की जरूरत

कोरोना के दौरान बढ़ी महंगाई पर लगाम लगती नहीं दिख रही है। वहीं जल्द ही पेट्रोल और डीजल के दामों में इजाफा होने की आशंका जताई जाने लगी है। यूक्रेन पर हुए रूसी हमले की वजह से वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत सौ डॉलर प्रति बैरल हो गयी है। इसका सीधा असर भारत में पेट्रोल की कीमतों पर पड़ेगा।

कोरोना के दौरान बढ़ी महंगाई पर लगाम लगती नहीं दिख रही है। वहीं जल्द ही पेट्रोल और डीजल के दामों में इजाफा होने की आशंका जताई जाने लगी है। यूक्रेन पर हुए रूसी हमले की वजह से वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत सौ डॉलर प्रति बैरल हो गयी है। इसका सीधा असर भारत में पेट्रोल की कीमतों पर पड़ेगा। बढ़ती महंगाई के कारण जनता पर आर्थिक बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। सवाल यह है कि महंगाई पर नियंत्रण के लिए सरकार कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठा रही है? क्या वैश्विक बाजार में बढ़ी तेल कीमतों के असर को कम करने के लिए कोई रणनीति तैयार की गयी है? क्या बेरोजगारी ने लोगों की क्रय शक्ति को कम नहीं कर दिया है? क्या क्रय शक्ति को बढ़ाए बिना महंगाई से निपटा जा सकता है? क्या देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए उद्योगों को आर्थिक पैकेज देने की जरूरत सरकार को महसूस नहीं हो रही है? क्या तेल की कीमतों का असर खाद्य वस्तुओं के दामों पर नहीं पड़ेगा?

पिछले दो साल से देश कोरोना की चपेट में है। लंबे लॉकडाउन के कारण देश की आर्थिक स्थिति को जबरदस्त झटका लगा है। उद्योग धंधों के ठप पड़ने से लाखों लोग बेरोजगार हो गए। हालांकि अब हालात सामान्य होने लगे हैं लेकिन अभी भी स्थितियों में बेहतर सुधार होता नहीं दिख रहा है क्योंकि बेरोजगारों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है। वहीं दूसरी ओर पेट्रोल और डीजल के दामों में इजाफा होने के कारण खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो रही है। इसके चलते गरीबों की हालत सबसे अधिक खराब हो गयी है। यही नहीं मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति भी कम हो गयी है। इसके कारण बाजार की हालत खस्ता है और पूंजी का प्रवाह तेज गति से नहीं हो पा रहा है। इसी बीच रूस और यूक्रेन के युद्ध ने भी दुनिया की सांसें फुला दी हैं। कच्चे तेल की कीमत आठ साल बाद सौ डॉलर प्रति बैरल हो गया है। इसका असर पेट्रोल की कीमतों पर पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि युद्ध लंबा खिंचा तो तेल के दामों में और भी इजाफा होगा। इससे महंगाई एक नया रिकॉर्ड बना देगी। यदि सरकार को महंगाई पर लगाम लगाना है तो उसे जल्द से जल्द कोई रणनीति अपनानी होगी और ठोस कदम उठाने होंगे। तेल के दामों को स्थिर रखने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को अपने टैक्स को कम करना होगा। साथ ही रोजगार के साधन मुहैया कराने होंगे ताकि लोगों की क्रय शक्ति बढ़े और बाजार में मांग और आपूर्ति के सिद्धांत में संतुलन स्थापित किया जा सके। इसके अलावा सरकार को उद्योग धंधों को भी बढ़ावा देना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नदियों को बचाना चुनावी मुद्दा क्यों नहीं

कृष्ण प्रताप सिंह

पहले चुनावों में आम आदमी के रोटी, कपड़ा और मकान कहें या उनके जीवन निर्वाह से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चाएं होती थीं। पार्टियां और प्रत्याशी अपना नजरिया व नीतियां समझाते नहीं थकते थे। अपीलें की जाती थीं कि बूथों पर मतदाता किसी के बहकावे में न आयें और मुद्दों के आधार पर ही वोट दें लेकिन अब चुनाव में ऐसे मुद्दों को हाशिये पर डालकर बहकाने वाले मुद्दे उछाले जाते हैं। सारी बहस उन्हीं के इर्द-गिर्द होती है, ताकि मतदाताओं की जातियां व धर्म आगे आ जायें। फिर उन्हीं के आधार पर सरकार चुन लें और फुरसत से पश्चाताप करते रहें।

इस बार विधान सभा चुनावों में भी यही दिख रहा है। पंजाब में पीने के पानी के जहरीले होने की समस्या चुनाव में मुद्दा नहीं बन पायी। पंजाब में दूषित पानी से लोग कैंसर का शिकार हो रहे हैं। हरित क्रांति लाने की कोशिशों के दौरान अत्यधिक अनाज उगाने के लिए अपनायी गयी कृषि पद्धति का यह दुष्परिणाम है। रासायनिक उर्वरकों पर अधिक निर्भरता के चलते आनाज और पेयजल दोनों दूषित हो गये हैं। पंजाब में विधान सभा चुनाव खत्म हो चुके हैं और देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में भी चार चरण संपन्न हो चुके हैं। इन चुनावों में नदियों का प्रदूषण न सत्तापक्ष के लिए मुद्दा है, न विपक्षी दलों के लिए। नदियां न केवल प्यास बुझाती हैं, बल्कि आजीविका का माध्यम भी हैं। पारिस्थितिकी तंत्र और भूजल के स्तर को बनाये रखने में भी नदियों का बड़ा योगदान है। आज जो नदियां गंदगी ढोने को अभिशापित हैं, वे अपने अवतरण के वक्त से ही जीवन बांटती आयी हैं। बढ़ते प्रदूषण के कारण अस्तित्व के खतरे को झेल रही नदियों और उससे मानव जीवन को पैदा हो रहे अंदेशों पर चर्चा होनी आवश्यक है। इंग्लैंड की यॉर्क यूनिवर्सिटी के एक शोध से खुलासा हुआ है कि अब नदियों के जल के लिए पैरासिटामोल, निकोटिन, कैफीन, मिर्गी और मधुमेह की दवाएं भी खतरा बनती जा रही हैं। यह समस्या किसी एक देश में नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में है। अमेरिका की प्रोसिडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज की इस शोध की रिपोर्ट में इसे पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य के लिए घातक बताया है।

शोधकर्ताओं ने 104 देशों में नदियों की 1,052 जगहों से पानी के नमूने एकत्रित किये। पानी में सक्रिय 61 दवाओं के अंशों (एपीआई) का परीक्षण किया, तो पाया कि दवा निर्माण संयंत्रों से निकले दूषित जल, बिना उपचार के ही नदियों में पहुंच रहे

हैं। जिन देशों में आधुनिक दवाओं का इस्तेमाल कम होता है या दूषित जल का उपचार ढांचा बेहतर है, वहां नदियां अपेक्षाकृत सुरक्षित हैं। दवाओं से नदी जल प्रदूषण गंभीर समस्या है क्योंकि ज्यादातर देशों में दवा उद्योग से निकले प्रदूषित जल के निपटान के कानून बने तो हैं लेकिन उन पर अमल नहीं हो रहा है। भारत में इसे लेकर न सरकारें सजग हैं और न ही लोग इतने जागरूक हैं कि सरकारों पर दबाव बना सकें। राजनीतिक दल चुनावों में भी इन समस्याओं को चर्चा में नहीं लाना चाहते। ऐसे में उनकी वास्तविक मंशा समझने के लिए और कौन से तथ्यों की जरूरत है? कल-कारखानों की निकासी, घरों की गंदगी, खेतों में मिलाये जा रहे रसायन, उर्वरक और भूमि कटाव के साथ दवाओं में प्रयुक्त हो रहे रसायन का भी नदी जल को दूषित करने वाले कारकों में शामिल होना आवश्यक है। जलवायु में हो रहे बदलाव में नदियां ही धरती पर जीवन का आधार हैं और उनमें बहता पानी मनुष्य की सांस की सीमा भी तय करता है। हिमालय के उद्गम स्थल से समुद्र में समाने तक हजारों किलोमीटर की यात्रा के दौरान नदियों को जो सैकड़ों मानवीय, कायदे से कहें तो अमानवीय, अत्याचार झेलने पड़ते हैं, उनसे उन्हें निजात नहीं मिली तो अब न वे खुद को बचा पायेंगी और न ही मानवजीवन की रक्षा में अपनी भूमिका निभा पायेंगी। जब सीवर और उद्योगों का केमिकलयुक्त कचरा नदियों में जहर घोल रहा है। सिविल सोसाइटी को यह समझने की जरूरत है कि इससे नदियों के जलीय जीवों का जीवन ही नहीं, मनुष्य का जीवन भी खतरे में पड़ेगा, इसलिए इसका हर संभव प्रतिकार आज और अभी से शुरू करने की जरूरत है। सिविल सोसायटी ने अभी भी इसके लिए सत्तातंत्र पर दबाव नहीं बनाया और सब कुछ राजनीतिक दलों व सरकारों की इच्छा और मंशा पर ही छोड़े रखा तो कौन कह सकता है कि हालात वैसे ही नहीं होंगे, जैसे गंगा की सफाई के मामले में हुए है?एक अनुमान के अनुसार, आजादी के बाद से अब तक गंगा की सफाई के नाम पर 22 हजार करोड़ से ज्यादा खर्च किये जा चुके हैं। अप्रैल, 2011 में गंगा सफाई की सात हजार करोड़ की एक योजना बनायी गयी थी। इसके लिए विश्व बैंक से एक अरब डॉलर का कर्ज भी लिया गया था। सरकार बदली तो 'नमामि गंगे' का भी कुछ कम जोर नहीं रहा, लेकिन न तो गंगा में पानी की मात्रा बढ़ी और न ही प्रदूषण में उल्लेखनीय कमी आयी।

यूक्रेन पर हमले से बढ़ी वैश्विक चिंता

अनिल त्रिगुणायत

यूक्रेन में रूस की सैन्य कार्रवाई के साथ यह संकट नये दौर में प्रवेश कर गया है। अब तक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके सहयोगी कहते रहे थे कि अगर मिंस्क समझौते का पालन होगा और नाटो अपना विस्तार रोक देगा तो यूक्रेन पर रूस हमला नहीं करेगा, लेकिन राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन से अलग हुए दो गणराज्यों डोनेस्क और लुहांस्क को मान्यता देकर पहले ही मिंस्क समझौते को अप्रभावी बना दिया था। इससे पहले उन्होंने जर्मनी और फ्रांस को अपने इस निर्णय की सूचना दी थी जो इस तनाव को कम करने और किसी सहमति पर पहुंचने के लिए बड़ी मेहनत कर रहे थे। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने तो रूसी राष्ट्रपति पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को शिखर बैठक के लिए भी मना लिया था, पर वह नहीं हो सकी।

पश्चिमी देशों और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने दो यूक्रेनी क्षेत्रों को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता देने और वहां कथित रूप से 'शांति सैनिक' भेजने की निंदा की थी। वह कार्रवाई ठीक 2008 के जॉर्जिया युद्ध की तरह थी, जब रूस ने दक्षिण ओसेतिया और अब्खाजिया को स्वतंत्र क्षेत्र के रूप में मान्यता दे दी थी। संयुक्त राष्ट्र की शब्दावली के लिए नयी परिभाषाएं गढ़ी जा रही हैं। झपटने के लिए तैयार (रेडी टू पाउंस) और सत्ता परिवर्तन (रिजीम चेंज) सभी बड़ी ताकतों का एजेंडा रहा है, जिसमें अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगियों को महारत रही है। ऐसा लगता है कि एकतरफा कार्रवाई बड़ी ताकतों का पसंदीदा विकल्प बन गया है। पश्चिमी देशों ने रूस और यूक्रेन से अलग हुए क्षेत्रों पर कई पाबंदियां लगा कर रूसी कार्रवाइयों का जवाब दिया है। आगामी दिनों में और भी पाबंदियां लगायी जा सकती हैं। हालिया प्रतिबंधों से उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और मुद्रा के मूल्य में नुकसान हुआ है, लेकिन जब प्राथमिकता भू-राजनीति हो, तो महाशक्तियां अपने सिक्कों की परवाह कहां करती हैं।

बर्लिन की दीवार गिरने और सोवियत संघ के विघटन के समय से ही रूस उम्मीद करता आ रहा है कि पूर्व की ओर नाटो, यूरोपीय संघ या ट्रांसअटलांटिक प्रोजेक्ट का विस्तार नहीं किया जायेगा। उसे भली-भांति यह पता था कि वह अमेरिका या यूरोप के साथ जो भी सहमति बनाये, समय के साथ वह प्रभावहीन हो जायेगी तथा रूसी सत्ता की जकड़ से छूटते ही ऐतिहासिक कारणों और शिकायतों की वजह से पूर्वी यूरोप और बाल्टिक क्षेत्र के अनेक देश दूसरी ओर रुख कर लेंगे। ऐसे अवसर को पहले गोर्बाचेव और पेरेस्त्रोइका व ग्लास्नोस्त जैसी नीतियों ने तथा फिर बोरिस येल्त्सिन ने मुहैया कराया था, लेकिन फिर पुतिन रूस की सत्ता में आ गये। गुप्तचरी की कला और इससे संबंधित जोखिम भरे कार्यों में प्रशिक्षित तेज दिमाग वाले राष्ट्रपति पुतिन बहुत अच्छी तरह जानते थे कि अमेरिका से नजदीकी बढ़ाने की कोशिशों से और भी अपमान होगा या उसका पिछलग्गू बनना पड़ेगा। अमेरिकी सत्ता तंत्र की भीतरी तहें तथा रूस में 'सिलोविकी' जैसे सुरक्षा समूह केवल क्रूर शक्ति, हावी होने की प्रवृत्ति और गुपचुप गतिविधियों की भाषा समझते हैं।

वास्तविक राजनीति, भू-राजनीति, भू-आर्थिकी, ताकत दिखाना, प्रभाव क्षेत्र बढ़ाना तथा गठबंधन बनाना स्थापित रणनीतिक आचार-व्यवहार हैं। इन्हीं के सहारे महाशक्ति बना जाता है। पुतिन का मानना है कि यूक्रेन एक सुरक्षा परिधि और लाल रेखा होने के अलावा इतिहास एवं संस्कृति के आधार पर भी रूस से जुड़ा है। जुलाई, 2020 को लिखे उनके खुले पत्र में यूक्रेन के साथ पहचान और अंतर्निर्भरता का आह्वान है। दो क्षेत्रों को मान्यता देते हुए भी उन्होंने लेनिन, स्टालिन और कम्युनिस्ट पार्टी की ऐतिहासिक गलतियों के साथ अपने पूर्ववर्ती की खामियों को भी रेखांकित किया था। उसमें उन्होंने यूक्रेन को लेकर पश्चिम और नाटो की गतिविधियों को भी दोषी ठहराया। पुतिन ने कहा कि 'हमारे लिए यूक्रेन केवल एक पड़ोसी देश नहीं हैं, बल्कि हमारा इतिहास, संस्कृति, आध्यात्मिक स्थान भी है, पर यूक्रेन ने अपने पश्चिमी मालिकों से भी आगे जाते हुए अपने ही नागरिकों, कंपनियों, चैनलों, यहां तक कि अपने सांसदों पर ही पाबंदी लगा दी।' उन्होंने मार्च, 2021 में घोषित यूक्रेन की सैन्य रणनीति को भी खारिज किया, जिसमें रूस के साथ युद्ध की स्थिति में दूसरे देशों का समर्थन लेने का प्रावधान है।

युद्ध से अब तेल की कीमतें बढ़ने लगी हैं। यूरोप की गैस आपूर्ति पर खतरा मंडरा रहा है। यूक्रेन की संप्रभुता पर भी प्रश्नचिन्ह लग गया है। आगामी समय में हम कतर को यूरोप में गैस भेजता हुआ देख सकते हैं, जहां गैस निर्यातक देशों की बैठक भी होनी है, जिसमें रूस एक बड़ा खिलाड़ी है अगर स्थिति अधिक बिगड़ती है तो ईरान परमाणु समझौते को जल्दी अंतिम रूप दिया जा सकता है ताकि वहां से यूरोप को तेल व गैस मिल सके। रूस को इस हमले से कुछ अधिक हासिल नहीं होगा क्योंकि उसके पास पहले से ही क्रीमिया का अहम बंदरगाह है तथा पूर्वी यूक्रेन के अलग हुए क्षेत्र उसके साथ हैं, जो बड़े युद्ध की स्थिति में रूस के लिए आड़ बन सकते हैं लेकिन युद्ध भड़कने से चीन के अलावा सबको नुकसान होगा। चीन संवाद और कूटनीति से यूक्रेन संकट के समाधान की बात करता रहा है। संवाद और कूटनीति से संकट के समाधान की भारत की नीति उचित है क्योंकि इससे उसके विशिष्ट एवं रणनीतिक सहयोगी रूस तथा वैश्विक सहयोगी अमेरिका में किसी एक का पक्ष लेने की नौबत नहीं आयेगी।

तंत्रिका संबंधी समस्याएं

बच्चों में कमजोर आंखों की समस्या तंत्रिका संबंधी समस्याओं के कारण हो सकती हैं। मसलन, ब्रेन के उन हिस्सों के नर्व का प्रभावित होना जो कि दृष्टि को नियंत्रित करती हैं। आंखों से जुड़ी नर्व का डैमेज होना बच्चों में कमजोर आंखों और अंधेपन का कारण बन सकता है।

आनुवांशिक असर

अगर परिवार में किसी सदस्य को ऐल्बिनिजम और रेटिनाइटिसपिगमेंटोसा जैसी समस्या रही है तो ये आनुवांशिक स्थितियों के कारण बच्चों में कमजोर आंखें और अंधेपन की समस्या हो सकती है।

आंखों से जुड़ी बीमारियां

बच्चों में भी ग्लूकोमा, मोतियाबिंद, रेटिनोब्लास्टोमा जैसी बीमारियां और रेटिना संबंधी रोग हो सकते हैं जिसका सही समय पर उपचार न करने पर लो विजन की समस्या हो सकती है और आंखें परमानेंट डैमेज हो सकती हैं।

करें ये उपाय

- बच्चों में ऐसे लक्षण दिखने पर डॉक्टर से आई का चेकअप करवाएं।
- बच्चों की डाइट और लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करके उनकी आंखों को हेल्दी रखें।
- विटामिन ए से भरपूर चीजों का सेवन करवाएं। जैसे हरी पत्तेदार सब्जियां, अंडा, दूध, गाजर, पीली या नारंगी सब्जियां, पालक, शकरकंद, पपीता, दही और सोयाबीन।
- डाइट में दाल, सूखे मेवे और बीज का सेवन करवाएं।
- ओमेगा 3 से भरपूर फूड्स का सेवन करवाएं।
- पढ़ने-लिखने के तरीके को सही करें जैसे सोकर पढ़ने से रोकें।
- पढ़ते समय कमरे में रोशनी सही रखें।
- बच्चों को पास से मोबाइल और टीवी देखने से रोकें।

इन दिनों छोटे बच्चों में कमजोर विजन की समस्या काफी देखने को मिल रही है। आमतौर पर यह समस्या खराब लाइफ स्टाइल, पढ़ने या टीवी मोबाइल देखने का गलत तरीका माना जाता है लेकिन कई बार बच्चों को विजन की समस्या जन्मजात भी होती है लेकिन सवाल ये उठता है कि आखिर ये समस्या होती क्यों है? अमेरिकन एसोसिएशन फॉर पीडिएट्रिक ऑफ्थैल्मोलॉजी एंड स्ट्रबिस्मुस के मुताबिक, जिन बच्चों की आंखों में लो विजन की समस्या होती है उनमें कुछ खास लक्षण होते हैं। मसलन, परिचित चेहरे को पहचानने में कठिनाई, पढ़ने में कठिनाई, धुंधलापन, रंग और कंट्रास्ट में अंतर न कर पाना, सिर दर्द या आंखों का लाल होना या दबाव महसूस होना। ऐसे में सही समय पर इलाज न होने पर यह ब्लाइंडनेस भी ला सकता है। तो आइए जानते हैं कि बच्चों की आंखों में लो विजन की समरस्या का कारण क्या है।

छोटे बच्चों में कमजोर विजन की समस्या है बहुत खतरनाक

खराब लाइफ स्टाइल

बच्चों में खराब लाइफस्टाइल की वजह से भी उनकी आंखों में कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं जो बाद में लो विजन का कारण बन सकते हैं। मसलन, डाइट में लापरवाही, घंटों टीवी देखना, मोबाइल चलाना, गलत तरीके से बैठकर पढ़ना आदि। इन वजहों से मायोपिया और हाइपरमेट्रोपिया की समस्या हो सकती है जो जीवनभर के लिए बच्चे के लिए परेशानी बन सकता है।

जन्मजात समस्या

गर्भावस्था के दौरान 20 से 40वें हफ्ते के बीच बच्चे की आंखों में रेटिना विकसित होना शुरू होता है। इस दौरान किसी तरह की गड़बड़ी के कारण या समय से पहले जन्म के कारण बच्चे को आंखों से जुड़ी गंभीर समस्या हो सकती है

हंसना मना है

पति पत्नी से : तुझ में रब दिखता है यारा मैं क्या करूं? पत्नी : नारियल फोड़, प्रसाद चढ़ा, पूजा कर और जो मैं कहूं उसे रब की इच्छा मान लिया कर।

वैलेंटाइन पर लड़के ने लड़की के दिल पर अपना नाम लिखा। दिल बोला: इडियट तुझसे पहले जिनके नाम लिखे हैं उनके तो पहले मिटा..

पत्नी: तुम्हारे इस नरक में तुम्हारी गुलामी करते-करते मैं तंग आ गई हूं, लगता है पिछले जन्म में मैंने बहुत बुरे कर्म किये होंगे.. पति: तो अब तो अच्छे कर लो, मायके जाओ और मेरे घर को स्वर्ग बनाओ।

हसबैंड वाइफ हाथ पकड़े बाजार जा रहे थे। उन्हे देखकर दोस्त बोला, इतने साल बाद भी इतनी मोहब्बत। हसबैंड बोला, ओ भाई! कैसी मोहब्बत? हाथ छोड़ते ही दुकान में घुस जाती है।

आंटी डॉक्टर के पास गयीं आंटी: मेरे घुटने में बहुत दर्द है। डॉक्टर: आपका वजन कितना है? आंटी: चश्मा लगाकर 83 किलो है। डॉक्टर: और बिना चश्मे के? आंटी: बिना चश्मे के मुझे दिखता ही नहीं।

पत्नी: अजी सुनते हो, आपका दोस्त एक पागल लड़की से शादी करने जा रहा है, उसे रोकते क्यों नहीं? पति: क्यों रोकूं? उस दोस्त ने मुझे रोका था क्या ?

कहानी — सात जूते मारने वाली चमेली

चाननपुर गांव में चांदकुमारी नाम की एक रूपवती कन्या रहती थी। वह विवाह के योग्य हो गई थी लेकिन अपनी मां के व्यवहार के कारण उसका विवाह नहीं हो पा रहा था। उसकी मां का नाम चमेली था जो अपने पति माधो को रोज सात जूते मारा करती थी इसलिए कोई भी चांदकुमारी को अपनी बहू नहीं बनाना चाहता था। वही दूसरी तरफ तेनालीराम की बुद्धिमता के कारण दरबारियों के साथ-साथ उसके कुछ रिश्तेदार भी उससे जलते थे। एक दिन उसका एक दूर का रिश्तेदार चांदकुमारी का रिश्ता लेकर उसके घर पहुंच गया। कहा, तुम अपने छोटे भाई से लड़की रिश्ता कर लो। वह नहीं जानता था कि तेनालीराम का कोई भाई नहीं है। फिर भी तेनालीराम ने लड़की के बारे में पूछा। तेनालीराम उसकी मां के बारे में बहुत कुछ सुन रखा था लेकिन उसने रिश्ते के लिए हामी भर दी। अब वह रिश्तेदार चमेली के घर पहुंच गया और उसने ये खुशखबरी चमेली को सुनाई। चमेली यह खबर सुनकर बहुत खुश हो गई और उसने बहुत जल्दी शादी का मूहर्त निकलवाकर उसे बता दिया। अब उसने मूहर्त का समय तेनालीराम को बता दिया। तेनालीराम सोचने लगा कि अब छोटा भाई कहां से लाया जाए? छोटे भाई की खोज में वह नगर की ओर चल पड़ा। वहां उसने एक परेशान नौजवान युवक को देखा। तेनालीराम ने उसके पास जाकर उसकी परेशानी का कारण पूछा तो उसने सारी बात बता डाली। तेनालीराम ने उसे काम देने का वादा कर लिया लेकिन उसके सामने एक शर्त रख दी। तेनालीराम बोला, मैं जिससे कहूं तुम्हें उस लड़की से शादी करनी पड़ेगी। वह युवक तैयार हो गया। मूहर्त के अनुसार उसका विवाह हो गया। चांदकुमारी को विदा करते समय उसकी मां ने उसे भी अपने पति को रोज जूते मारने की सलाह दी। चमेली बोली, बेटी मैंने तेरे पिता को अपने वश में कर रखा है। अगर तू भी अपने पति को अपने वश में रखना चाहती है तो तू अपने पति को सात की जगह रोज पंद्रह जूते मरना। चांदकुमारी ने अपनी मां की बातों पर हामी भर दी। अब जैसे ही बेटी चल दी तो चमेली ने माधो को उसके साथ जाने के लिए कहा। बेचारा माधो अपनी बेटी के साथ उसके ससुराल चला गया। चांदकुमारी ने ससुराल आकर देखा कि तेनालीराम और उसके पति का स्वभाव तो बहुत अक्खड़ है। वह उनसे डरकर रहने लगी लेकिन वह फिर भी अपने पति को जैसे -तैसे रोज पंद्रह जूते मार ही देती थी। वही जब तेनालीराम ने माधो का टूटा बदन देखा तो वह समझ गया कि यह जरुर सब उसकी पत्नी की वजह से ही ऐसा है। तब तेनालीराम ने माधो को चार-पांच महीने अपने पास रखकर उसे मोटा- तगड़ा कर दिया और फिर उसे अपने घर जाने को कहा। जब माधो चलने लगा तो तेनालीराम ने उसे एक मोटा सा डंडा देते हुए कहा, डरने से कुछ नहीं होगा। यह सब तुम्हारी ही कमी है अगर तुम पहले से ही कठोर बनकर रहते तो ऐसा कभी नहीं होता। तेनालीराम की बात सुनकर माधो अच्छे से समझ चुका था कि तेनालीराम क्या कहना चाहता है। डंडा लेकर माधो अपने घर पहुंच गया। माधो को घर देखकर चमेली बहुत खुश हो गई। जैसे ही वह जूता लाकर माधो को मारने चली माधो ने उसे डंडे से पीटना शुरू कर दिया। चमेली जोर-जोर से चिल्लाने लगी। जिसकी वजह से आसपास के लोग वहां आ गए और जैसे-तैसे उसे पीटने से बचाया। उसके बाद से उसने कभी भी माधो को नही मारा और अब वह जैसा कहता चमेली वैसा ही करती।

4 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज आप रंगीले मूड में होंगे और आप की किसी आस-पास के व्यक्ति से मुलाकात होगी। हल्का-फुल्का रोमांस करना हानिकारक नहीं, पर इसको लेकर गंभीर न हों।

वृषभ आज के दिन एक दूसरे को और अच्छी तरह समझने का भी होगा। आज का दिन आप अपने साथी से अपने रिश्तों को और अधिक मजबूत कर सकेंगे।

मिथुन आज आप भाग्यवश ऐसे व्यक्ति से मिलेंगे जिसकी सोच व कार्य-शैली आपसे बहुत मिलती है। आप इस संबंध को आगे ले जाने के विषय में सोचेंगे।

कर्क दंपति को एक दूसरे से ठहराव व सन्तुष्टी मिलेगी। इस समय का आनन्द उठाएं व शाम को साथी के साथ समय बिताने के लिए बाहर अवश्य जाएं।

सिंह आप अतिरिक्त खुशी में मग्न होकर अपने साथी के लिए कुछ कर गुजरने की स्थिति में है। आज के दिन अपने साथी को कोई उपहार दे सकते हैं।

कन्या आज भावनाओं में बह जाने का दिन है, अतः बेहिचक अपने दिल की चाहतों को अपने साथी से कह डालें। जो भी आपसे मिले, उसके साथ सुखद व्यवहार करें।

तुला आज का दिन रोमांस से भरपूर होगा, जिसे जिदांदिली से भरपूर जिएं। आज के दिन साथी का पूरा साथ मिलेगा। अचानक धन लाभ होने की संभावना है।

वृश्चिक आज आप अनावश्यक रूप से गलत, कड़वी बातें न करें, कुछ कहने से पहले सोच लें। शांत रहकर व्यवहार करने से लंबे समय में आप खुद को बचा पाएंगे।

धनु आज का दिन वायदे का दिन होगा व आप रोमांटिक मूड में रहेंगे। ऐसी जगह मिलने का कार्यक्रम बनाएं, जहां पर कोई व्यवधान ना हो।

मकर साथी के साथ बिताए रोमांटिक क्षणों की यादों में आज आप व्यस्त रहेंगे। यादें न केवल आपको रोमांचित करेंगी वरन् भविष्य में रोमांटिक बनाने में सहायक सिद्ध होंगी।

कुम्भ आपका आज का दिन अपने साथी के साथ प्रेम एवं उत्साह से बीतेगा। सामाजिक क्षेत्र में खुद को प्रेम से भरपूर पायेंगे। आपका सुख-सौभाग्य बढ़ेगा।

मीन रोमांस से भरपूर आज का दिन एक विशेष दिन साबित होगा। अपने प्यार, मोहब्बत का गर्मजोशी से इजहार करें, वैसा ही जवाब आपको अपने साथी से मिलेगा।

कंगना रनौत के लॉक अप में दंगल करेंगी बबीता फोगाट

कंट्रोवर्सी क्वीन कंगना रनौत जल्द लॉक अप से टेलीविजन रियलिटी शो में एंट्री लेने जा रही हैं। कंगना के अपकमिंग शो के लिये कई सारे कंटेस्टेंट्स के नाम का खुलासा हो चुका है। वहीं अब इस शो के लिए दो और कंटेस्टेंट्स का नाम सामने आया है। पहली बबीता फोगाट और दूसरी बिदाई फेम सारा खान। चलिये इस बारे में थोड़ा डिटेल में बात हो जाये। फोगाट सिस्टर्स की जिंदगी पर बनी फिल्म दंगल हम सब देख ही चुके हैं। पर अब बबीता फोगाट कंगना के लॉक अप में रियल लाइफ दंगल खेलती दिखेंगी। लॉक अप का नया प्रोमो रिलीज किया जा चुका है, जिसमें बबीगा फोगाट लॉक अप के अंदर दंगल करने के लिये तैयार दिख रही हैं। प्रोमो में बबीता पूरी तरह से एक्शन में दिख रही हैं। देखना होगा कि शो में वो क्या कमाल करती हैं।

अब बात आती है बिदाई सीरियल से घर-घर मशहूर होने वाली सारा खान की। कहा जा रहा है कि सारा खान भी कंगना के नये शो का हिस्सा हो सकती हैं। इससे पहले सारा बिग बॉस और नच बलिये जैसे रियलिटी शो में भाग ले चुकी हैं। सारा खान को टेलीविजन शो से पॉपुलैरिटी तो मिली, लेकिन अब तक वो किसी भी शो की विनर नहीं बन पाईं। देखते हैं कि लॉक अप में उनका गेम कैसा रहता है।

बॉलीवुड | मसाला

कंगना रनौत के शो के लिये एक से बढ़ एक कंटेस्टेंट्स को चुना गया है। जिनमें से एक पूनम पांडे भी हैं। अपनी हॉटनेस से पूनम पांडे शो में ग्लैमर का तड़का लगाती दिखेंगी। पूनम पांडे के अलावा स्टैंडअप कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी और निशा रावल भी लॉक अप में बंद होने के लिये राजी हैं। टेलीविजन के इतने सारे कंट्रोवर्शियल सेलेब्स को एक साथ देखना काफी दिलचस्प होने वाला है।

प्रियंका ने शेयर किया यूक्रेनवासियों का दर्द

रूस ने यूक्रेन पर हमला कर कोरोना महामारी से उबर रही दुनिया को युद्ध में धकेल दिया है। दुनिया भर के लोग इसे लेकर चिंतित हैं। बॉलीवुड के तमाम सितारें भी बेगुनाह लोगों के मारे जाने से चिंतित हैं। हॉलीवुड-बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने यूक्रेनवासियों के मौजूदा हालात को दिखाते हुए एक वीडियो शेयर किया है और शांति कायम करने की प्रार्थना की है। प्रियंका चोपड़ा ने यूक्रेन के बेगुनाह लोगों से सहानुभूति जताते हुए एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। वीडियो में दिख रहा है कि रूसी हमले के बीच यूक्रेन में अफरा-तफरी का माहौल है। सब स्टेशन अंडरग्राउंड बंकर में तब्दील हो गए हैं। लोग हमले से अपनी और अपनों की सुरक्षा के लिए सुरक्षित जगहों पर शेल्टर ले रहे हैं। प्रियंका ने लिखा है 'यूक्रेन के हालात खौफनाक नजर आ रहे हैं। निर्दोष लोग अपने और अपनों की जिंदगी के लिए दहशत में हैं। फ्यूचर की अनिश्चितता को समझने की कोशिश कर रहे हैं। प्रियंका ने लिखा 'मॉडर्न वर्ल्ड में ऐसे भयावह हालात के बारे में समझना मुश्किल काफी मुश्किल है, लेकिन ये एक ऐसा समय है जिसका असर पूरी दुनिया भर में होगा। इस वॉर जोन में बेगुनाह लोग रह रहे हैं। वे सब भी आपके और मेरे जैसे लोग हैं'।

बॉलीवुड | मन की बात

कपिल शर्मा संग फिल्म बनाएंगे साजिद नाडियाडवाला?

कॉमेडी किंग कहलाने वाले अभिनेता व कॉमेडियन कपिल शर्मा के फैन्स के लिए एक गुड न्यूज सामने आई है। कपिल शर्मा एक बार फिर से बॉलीवुड में अपना जलवा बिखेर सकते हैं। प्रोड्यूसर और डायरेक्टर साजिद नाडियाडवाला जल्दी ही कपिल शर्मा के साथ एक फिल्म का ऐलान कर सकते हैं, ऐसी खबरे सामने आ रही हैं। हालांकि कपिल और साजिद की ओर से अभी तक इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी सामने नहीं आई है। दरअसल द कपिल शर्मा शो में जल्दी ही साजिद अपनी पत्नी के साथ नाडियाडवाला स्पेशल एपिसोड में पहुंचेंगे। इस एपिसोड में टाइगर श्रॉफ, कृति सेनन और अहान शेट्टी भी शिरकत करेंगे। बताया जा रहा है कि इस एपिसोड में नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट को ट्रिब्यूट दिया जाएगा। शो के एक प्रोमो क्लिप में कपिल, साजिद से पूछते हैं- आप शो में आकर कैसा महसूस कर रहे हैं? इस पर साजिद कहते हैं- मैं इस शो को अपना ही मानता हूं क्योंकि मैं ही वो शख्स था, जो अर्चना को इंडस्ट्री में लाया। नवजोत को मुझसे शादी करोगी में कमेंट्री करवाई, इसके बाद सुमोना और फिर कृष्णा अभिषेक, सुदेश लहरी आदि...। साजिद ने आगे कहा, ये भी याद दिला दूं कि मैं इस स्टार का भी प्रोड्यूसर हूं, जो इस शो का प्रोड्यूसर है, अपने सलमान खान। रिपोर्ट के मुताबिक इसके बाद साजिद शो में ऐलान करते हैं कि वो एक स्क्रिप्ट बना रहे हैं, जिस में कपिल शर्मा उनकी फिल्म में काम करेंगे।

इस मिर्ची को माना जाता है सभी मिर्चियों का बाप, नॉर्मल मिर्ची से 10 हजार गुना ज्यादा होती है तीखी

अगर आप कभी कुछ तीखा खा रहे हों और अचानक से आपके दांत के नीचे हरी मिर्च का एक टुकड़ा आ जाता है तो आप झनझना उठते हैं। लेकिन जरा सोचिए आपको दुनिया की तबसे तीखी मिर्ची खानी पड़ जाए और वह भी कोई ऐसी-वैसी तीखी मिर्ची नहीं बल्कि एक नॉर्मल मिर्ची से दस हजार गुना तीखी मिर्ची तो आपका क्या हाल होगा। दुनिया में एक ऐसी मिर्च भी है जिसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल किया गया है। इस मिर्ची के तीखेपन का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि तीखापन मापने वाली स्कोविल स्केल पर इसका तीखापन 16 मिलियन मापा गया। जब बाकी मिर्ची का इसके साथ तीखापन मापा गया तो उनका तीखापन सिर्फ 10 हजार ही रहा। इस मिर्ची का नाम कैरोलिना रीपर है। आप जानकर दंग रह जाएंगे कि एक व्यक्ति ने मिर्ची खाने वाले कॉन्टेस्ट में भाग लेने के दौरान यह मिर्ची खा ली। 34 वर्षीय युवक ने जैसे ही यह मिर्ची खाई उसकी हालत खराब हो गई। आलम यह था कि उसे बेहोशी की हालत में न्यूयॉर्क के एक अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। शख्स का इलाज कर रहे डॉक्टर का कहना था कि मिर्ची को खाने के बाद ही शख्स का गला सूखने लगा और उसे उल्टियां होने लगी थीं। शख्स के गले में भयानक दर्द और सिर दर्द होने लगा था। घटना की पूरी जानकारी मेडिकल जर्नल 'बीएमजे केस रिपोर्ट्स' में प्रकाशित भी हो चुकी है। मिर्ची खाने वाले उस व्यक्ति का तुरंत ही सीटी स्कैन कराया गया था। इसमें पाया गया था कि मिर्ची खाने से व्यक्ति के दिमाग की नसें सिकुड़ गई थीं।

अजब-गजब | बेशुमार दौलत के मालिक हैं रूसी राष्ट्रपति पुतिन

बना रखा है गुप्त महल, टॉयलेट भी है सोने का

दुनिया में सबसे ताकवर बनने के लिए रूसी राष्ट्रपति के सिर पर जुनून सा सवार है। यूक्रेन और रूस के बीच चल रही युद्ध को लेकर पूरी दुनिया परेशान है, लेकिन पुतिन को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता और वे पीछे हटने को तैयार नहीं है। रूस के आर्थिक हालात जंग से भले ही बिगड़ जाएं लेकिन खुद ब्लादिमीर पुतिन की आर्थिक सेहत पर कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि वे बेशुमार दौलत के मालिक हैं। ब्लादिमीर पुतिन की दौलत का आलम ये है कि उनके पास पूरे रूस में बेहिसाब प्रॉपर्टी है। हालांकि उनकी दौलत का कोई सटीक आंकड़ा नहीं है लेकिन माना जाता है कि वे दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शुमार हैं। Daily Star की रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन ने 17 साल तक सत्ता में रहते हुए कई घर, यॉट, लग्जरी कारें और एक सेफ पैलेस भी तैयार कर रखा है। कुछ रिपोर्ट्स में तो ये भी दावा किया जाता है कि पुतिन टेस्ला के मालिक एलन मस्क और अमेजन के मालिक जेफ बेजॉस से भी ज्यादा दौलत रखते हैं।

कमाई से कहीं ज्यादा है दौलत

ब्लादिमीर पुतिन को बतौर रशियन प्रेसिडेंट हर साल 100,000 पाउंड यानी भारतीय मुद्रा में करीब 1,01,43,443 रुपए की सैलरी मिलती है, लेकिन उनकी संपत्ति इस सैलरी के

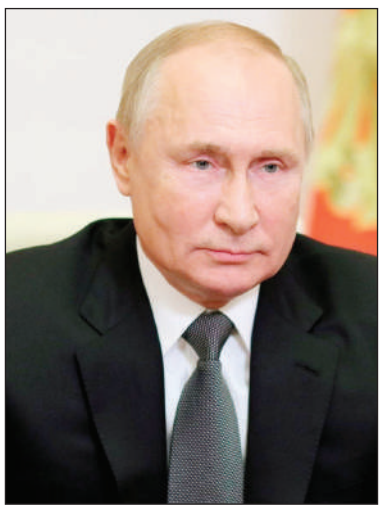

मुकाबले कहीं ज्यादा है। 17 वर्षों के कार्यकाल में पुतिन ने अपने लिए कई घर, यॉट, लग्ज़री कारें मौजूद हैं। रूस के राजानीतिक आलोचक बोरिस नेम्त्सोव के मुताबिक पुतिन के पास 4 यॉट, 43 प्लेन, 7000 कारें और 15 हेलिकॉप्टर्स मौजूद हैं। साल 2018 में न्यूज़वीक की रिपोर्ट के मुताबिक उनकी कारों में बुलेट प्रूफ Limousine कार भी शामिल है, जिसकी कीमत 192 मिलियन डॉलर है। पुतिन को महंगी घड़ियों का भी शौक है और उनके पास 5 लाख पाउंड की घड़ियां मौजूद हैं। स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक काला सागर के पास Gelendzhik में पुतिन का एक सीक्रेट पैलेस भी है, जिसकी कीमत 1 बिलियन पाउंड में है। फिलहाल जेल में बंद पुतिन के विरोधी नेता एलेक्सी नवेलिनी की टीम का दावा है कि उनके पास उनक महल की तमाम तस्वीरें मौजूद हैं।

पुतिन के लिए सोने का टॉयलेट

बोरिस नेमत्सोव ने भी ये भी दावा किया है कि पुतिन के एक जेट में उनके लिए सोने का टॉयलेट बनाया गया है। बिल ब्राउनर के मुताबिक पुतिन ने रूस के सबसे अमीर शख्स Mikhail Khodorkovsky को पुतिन ने धोखाधड़ी के आरोप में साल 2003 में जेल में डाल दिया था। उसकी संपत्ति 11 बिलियन पाउंड थी। इस घटना के बाद पुतिन ने रूस के तमाम उद्योगपतियों के सामने 50 फीसदी दौलत देकर खुद की आजादी सुनिश्चित करने के लिए कहा। पूरी दौलत जाने के डर ने उद्योगपतियों ने उनकी ये शर्त मानी और पुतिन की दौलत में बढ़ोतरी हुई। साल 2017 में ब्राउनर ने अमेरिका की सीनेट जुडिशियरी कमेटी के सामने माना था कि पुतिन दुनिया के सबसे अमीर शख्स हैं।

यूपी पावर कारपोरेशन ने की बड़ी कार्रवाई

ड्यूटी से गैरहाजिर रहने पर 55 अवर अभियंता बर्खास्त

» आरोप पत्र का भी जवाब नहीं दे रहे थे अभियंता

» दस साल से अधिक समय से थे अनुपस्थित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड ने दस वर्ष से अधिक समय से गैर हाजिर 55 अवर अभियंताओं को बर्खास्त कर दिया है। आरोप पत्र घर के पते पर भेजने के बाद भी अवर अभियंताओं ने जवाब नहीं दिया। लिहाजा कारपोरेशन ने आरोप पत्र की सूचना समाचार पत्रों में प्रकाशित कराई गई। जांच में आरोप सही मिलने पर सभी को सेवा से मुक्त कर दिया गया है। इसके अलावा ऐसे अन्य अभियंताओं पर भी कार्रवाई की तैयारी चल रही है।

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन में कार्यरत 91 अवर अभियंता ऐसे मिले हैं जो पद पर कार्यरत रहने के दौरान बिना

किसी पूर्व सूचना या उच्चाधिकारियों की अनुमति के पांच साल से अधिक समय से अनुपस्थित थे। लंबे समय से गायब रहने पर पावर कारपोरेशन प्रबंधन ने पिछले वर्ष 12 अप्रैल को मुख्य अभियंता जांच समिति को जांच के निर्देश दिए। जांच में पता चला कि कि अवर अभियंता पद पर तैनाती के बाद करीब दस साल से अधिक समय से वे कार्यालय नहीं आ रहे हैं। इन अभियंताओं ने न तो इस संबंध में किसी को बताया और न ही वरिष्ठ अफसरों से अवकाश स्वीकृत कराया था। अवर अभियंताओं की वार्षिक गोपनीय आख्या भी अफसरों के समक्ष प्रस्तुत नहीं की गई। कर्तव्यों और दायित्वों के निर्वहन में जानबूझकर शिथिलता बरतने को प्रबंधन ने कारपोरेशन के नियमों व उत्तर प्रदेश सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली 1956 के प्रावधानों का भी उल्लंघन माना है। कारपोरेशन की जांच समिति की ओर से आरोपपत्र अभियंताओं के निवास के पते पर भेजे गए जिसका आरोपित कार्मिकों ने कोई जवाब नहीं दिया। ऐसे में आरोपपत्र को समाचारपत्रों में प्रकाशित कराया गया और जवाब न मिलने पर जांच रिपोर्ट कारपोरेशन प्रबंधन को भेजी गई। इसी तरह से अभियंताओं पर दंडात्मक कार्रवाई किए जाने से पहले उन्हें पक्ष रखने का एक और अवसर दिया गया लेकिन आरोपित अभियंताओं ने उसका संज्ञान नहीं लिया। आरोप सिद्ध होने पर 55 अवर अभियंताओं को बर्खास्त कर दिया गया है, शेष अन्य अभियंताओं की जांच पूरी होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष एम देवराज ने कहा है कि बिजली महकमे में अवर अभियंताओं का अत्यधिक महत्व है, उनके तैनाती स्थल से गायब होने की वजह से कार्य प्रभावित हो रहा था इसलिए सख्त कदम उठाया गया है। ड्यूटी से गायब और भी अभियंता हैं। उन पर भी जल्द कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा ने बागियों को दिखाया पार्टी से बाहर का रास्ता

» कई नाम हैं शामिल, प्रदेश अध्यक्ष ने की कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। भाजपा ने बागियों को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। इसमें कई नाम शामिल हैं। जिलाध्यक्षों की शिकायत और क्षेत्रीय अध्यक्ष की रिपोर्ट पर प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने यह कार्रवाई की।

गोरखपुर जिले में बगावत करके चुनाव मैदान में उतरे चौरीचौरा से निर्दलीय प्रत्याशी अजय कुमार सिंह टप्पू को भाजपा से निष्कासित कर दिया गया है। बांसगांव से चुनाव लड़ने वाले विजय पासवान को भी निष्कासित किया गया। दोनों ने भाजपा से टिकट मांगा था, लेकिन पार्टी ने दूसरे प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतार दिए। लिहाजा, बगावत करके चुनाव लड़ गए। वहीं कुशीनगर की तमकुहीराज सीट से प्रत्याशी मान सिंह चौहान, सिद्धार्थनगर की डुमरियागंज सीट से चुनाव लड़ रहे शैलेंद्र उर्फ राजू श्रीवास्तव और महराजगंज की सिसवा सीट से बगावत करके चुनाव लड़ रहे अजय कुमार श्रीवास्तव को भी निष्कासित कर दिया गया है। जिलाध्यक्षों की शिकायत और क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र सिंह की रिपोर्ट पर प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने निष्कासन की कार्रवाई की है। इसी तरह बलिया के जितेंद्र तिवारी, अवलेश सिंह और प्रवीण प्रकाश को भी पार्टी से निष्कासित किया गया है।

वोट के लिए झूठे सपने दिखाते हैं पीएम: राहुल

किसानों की आय नहीं हुई दोगुनी, युवाओं को नहीं मिला रोजगार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। जगदीशपुर के थौरी में आयोजित जनसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीएम नरेन्द्र मोदी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री वोट लेने के लिए झूठ बोलते हैं। उन्होंने किसानों की आमदनी दोगुनी करने का वादा किया। तरह- तरह के सपने दिखाए। मैंने अमेठी में जिस फूड पार्क सपना देखा था, वह छत्तीसगढ़ सरकार ने पूरा कर दिया। वहां हर जिले में एक फूड पार्क है। जहां किसान अपनी उपज ले जाकर बेचते हैं। उन्हें धान का समर्थन मूल्य प्रति क्विंटल 25 सौ रुपये दिए जाते हैं।

उन्होंने कहा कि पीएम जब यूपी में आते हैं तो युवाओं से रोजगार के मसले पर बात नहीं करते। कहते हैं कि 70 साल में उत्तर प्रदेश में कुछ नहीं हुआ। हां, मैं मानता हूं, एक काम नहीं हुआ, वह है अडानी, अंबानी के लिए कुछ नहीं किया गया। राहुल गांधी ने कहा कि हर माता- पिता सपना देखते हैं

कि बच्चे को शिक्षा देदी तो रोजगार मिल जाएगा। उसके लिए फैक्ट्री लगानी पड़ेगी। बैंक खोलने होंगे, किसानों को मदद करनी होगी, छोटे कारोबारियों को सहायता करनी होगी। तब रोजगार पैदा होगा। तभी सही मायने में बच्चों को शिक्षा का लाभ मिल सकेगा। मोदी तो फैक्ट्री लगाने के बजाय एचएएल, तेल की कंपनी, एयरइंडिया सब बेच रहे हैं। बड़े उद्योगपति रोजगार नहीं देते। यह काम करते हैं किसान, छोटे व्यापारी। राहुल ने कहा वोट देते समय जो बटन दबाते हैं, वह रोजगार का टिकट है। उन्होंने युवाओं से कहा कि जाति, धर्म पर नहीं अपने भविष्य के लिए वोट करें।

कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय पर 24 घंटे का प्रतिबंध

वाराणसी। आपत्तिजनक बयान देने के मामले में शुक्रवार को चुनाव आयोग ने वाराणसी की पिंडरा विधान सभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय पर 24 घंटे का प्रतिबंध लगाया है। आज की सुबह आठ बजे से यह आदेश लागू हो गया है। इस दौरान सार्वजनिक सभा, जुलूस, रैली, रोड शो और साक्षात्कार में शामिल होने बयान या कथन पर प्रतिबंध है। तहसीलदार ने कांग्रेस प्रत्याशी को आदेश की प्रति भी रिसीव करा दी है। दरअसल, कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय ने राशन वितरण पर आपत्तिजनक बयान दिया था और उसका वीडियो वायरल हुआ था। उन्हें नोटिस जारी किया गया था। जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने बताया कि 26 फरवरी की सुबह आठ बजे से अगले 24 घंटे के लिए यह प्रतिबंध लागू रहेगा। सभी प्रकार के कार्यक्रम, आयोजन और अनुमति तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई है।

वंशवाद नहीं विकास के लिए भाजपा को करें वोट: स्वतंत्र देव

» विपक्षी सरकारों ने प्रदेश को लूटा, भाजपा शासन में हुआ विकास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने देश को 70 साल तक तो सपा-बसपा ने प्रदेश को 30 साल तक लूटा, हमने विकास करके दिखाया। शीर्ष अदालत के आदेश पर राम मंदिर बनवाना तथा जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाकर उसे देश का अभिन्न अंग बनाना सांप्रदायिकता नहीं बल्कि राष्ट्रवाद है। हम वंशवाद नहीं बल्कि विकासवाद के नाम पर वोट मांग रहे हैं।

भवानीगंज के श्रीराम इंटर कालेज परिसर में डुमरियागंज से भाजपा प्रत्याशी राघवेन्द्र प्रताप सिंह के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुए स्वतंत्र देव सिंह ने सपा, बसपा और कांग्रेस पर जम कर निशाना साधते हुए इन्हें वंशवाद को बढ़ावा देने वाला बताया। सपा मुखिया अखिलेश

यादव पर प्रहार करते हुए कहा कि वह कहते हैं कि सरकार बनने पर हम बिजली मुफ्त देंगे तो यह समझिए कि या तो वह प्रदेश को बिजली विहीन कर देंगे या गुंडों व माफियाओं को ही मुफ्त देंगे। पांच वर्ष में पूरा प्रदेश दंगामुक्त हुआ है। लोगों पर राज करने वाले गुंडा-माफिया जेल में है या तो प्रदेश छोड़कर भाग गए हैं। हमारी सरकार ने किसी सरकारी योजना में कोई भेदभाव नहीं किया। संकट के समय में मजदूरों, गरीबों तथा महिलाओं को आर्थिक मदद दी है। हम डबल इंजन सरकार के किए गए विकास के नाम पर वोट मांग रहे हैं। हमने सबका साथ, सबका विकास करते हुए सबका विश्वास भी जीता है। इस विश्वास पर वोट करें और मोदी तथा योगी के हाथों को मजबूत करें। जिससे हम सशक्त होकर उत्तम प्रदेश बना सके।

नहीं गल रही विरोधी दलों की दाल: मायावती

» मायावती का दावा बसपा पर भरोसा जता रही है जनता

» महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी के मुद्दों पर लड़ रहे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में बढ़ती महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी जैसे ज्वलंत मुद्दे लोगों के दिल-दिमाग पर हावी हैं इसलिए विरोधी दलों की दाल नहीं गल पा रही है।

बसपा प्रमुख मायावती ने ट्वीट किया, उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के दौरान बढ़ती महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, द्वेषपूर्ण राजनीति, लचर कानून-व्यवस्था, रोजगार के अभाव में पलायन की मजबूरी व लावारिस पशु आदि ज्वलंत मुद्दे लोगों के दिल-दिमाग पर हावी होने से विरोधी पार्टियों की दाल यहां सही से गल नहीं पा रही है। शुभ संकेत है। मायावती

ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि बसपा जनहित और कल्याण के इन्ही मुद्दों पर यह चुनाव लड़ रही है ताकि सही नीयत व नीति से काम करके राज्य में 2007 से 2012 की तरह अच्छे दिन लाए जा सकें। उन्होंने दावा किया कि लोगों को बसपा पर ही भरोसा है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के पांचवें चरण के लिए कल मतदान है। चुनाव प्रचार शुक्रवार शाम समाप्त हो गया। इस चरण में 12 जिलों की 61 सीटों पर 27 फरवरी को मतदान होगा।

पूर्वांचल में डिंपल सपा के लिए ट्रंप कार्ड!

» 4पीएम की परिचर्चा में मंथन भाजपा-कांग्रेस के वोटर्स को भी साध रहीं डिंपल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव का सियासी संग्राम अब पूर्वांचल के मैदान में है। सपा प्रत्याशियों के समर्थन में डिंपल यादव मैदान में आ गई हैं। दस मार्च को पता चलेगा कि पूर्वांचल में डिंपल यादव सपा को कितना फायदा पहुंचाएंगी। इसी विषय पर वरिष्ठ पत्रकार अजय शुक्ला, रंजीव, श्वेता आर रश्मि, प्रो. लक्ष्मण यादव, अमित मिश्रा, सपा नेता प्रदीप भारती और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

रंजीव ने कहा पीएम मोदी परिवारवाद पर प्रहार करते हैं। अब वे अखिलेश-

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

यादव पर प्रहार करेंगे ये इस चुनाव में देखने लायक होगा। श्वेता आर रश्मि ने कहा यूपी की राजनीति में भाजपा अखिलेश पर जो हमले कर रही है ऐसे में डिंपल का मैदान में आना भाजपा को चोट पहुंचाएंगी। अखिलेश ने डिंपल के जरिए भाजपा, बसपा व प्रियंका के वोटर्स को भी साध लिया। अमित मिश्रा ने कहा चुनावों में महिलाओं का प्रचार करना कोई बड़ी बात नहीं। हर दल की दिग्गज महिला नेता अपने प्रत्याशी के समर्थन में वोट मांगती आई हैं। प्रो. लक्ष्मण यादव ने कहा डिंपल सपा के लिए ट्रंप कार्ड साबित होंगी। प्रदीप भारती ने कहा पार्टी की पूर्व सांसद है तो मैदान में उनको उतरना ही था। अजय शुक्ला ने कहा, पूर्वांचल में डिंपल और जया दोनों बड़ा चेहरा हैं, उसका फायदा पार्टी को जरूर मिलेगा। इस इलाके में भौजाई जरूरी थीं तो चुनाव प्रचार में उतरना डिंपल का सही फैसला है।

जनता पूरी तरह भाजपा के साथ विपक्ष की हार तय: केशव मौर्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दलों का वार-पलटवार जारी है। इसी बीच यूपी डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा। सिराथू में मतदान से एक दिन पहले केशव मौर्य ने कहा कि इस चुनाव में सपा सौ के अंदर सिमट जाएगी। विपक्ष चाहे जितना भी प्रचार कर ले, चाहे जितनी ताकतें लगा लें, जनता सब नकार देगी। जनता पूरी तरह भाजपा के साथ खड़ी है और इस चुनाव में भाजपा 300 का लक्ष्य पूरा करेगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री योगी के हाथों देश व प्रदेश सुरक्षित हैं। बहन-बेटियां सुरक्षित है। ऐसे में अगर सपा सरकार बनी तो फिर से गुंडाराज शुरू हो जाएगा। इस कारण जनता से मैं अपील करना चाहता हूं कि भाजपा को वोट करें ताकि माफियाओं पर बुलडोजर चल सके। उन्होंने इससे

» डिप्टी सीएम ने विपक्ष पर साधा निशाना

पहले एक वीडियो को शेयर कर लिखा कि अखिलेश यादव भगवान गौतम बुद्ध से इतनी नफरत क्यों करते हो, क्या यह सपा का चरित्र हैं। वहीं इससे पहले 24 फरवरी को पीएम मोदी ने इसी वीडियो का जिक्र कर जनता से कहा कि मैं कल यहां कौशांबी का एक वीडियो देख रहा था। यह घोर परिवारवादी किस तरह दलितों का अपमान करते हैं, ये उस वीडियो में साफ दिखाई देता है।

पार्टी जो भी आदेश देगी उसका करूंगा अनुपालन : त्रिवेंद्र सिंह

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि पार्टी उन्हें जो भी आदेश देगी, वह उसका अनुपालन करेंगे। पार्टी यदि लोकसभा का चुनाव लड़ने को कहेगी तो वह किसी भी सीट से चुनाव लड़ने को तैयार हैं। पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि जहां उनका आवास है, वह क्षेत्र टिहरी लोकसभा क्षेत्र में आता है। उनका डोईवाला विधानसभा क्षेत्र हरिद्वार लोकसभा सीट के तहत आता है। उनका पैतृक आवास पौड़ी लोकसभा सीट में है। इस कारण उन्हें किसी भी सीट से चुनाव लड़ने में कोई दिक्कत नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में फिर से भाजपा की सरकार आ रही है। कांग्रेस को अभी उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए। चुनाव में महिलाओं और युवाओं ने बढ़-चढ़ कर मतदान किया है। इसका एक बड़ा हिस्सा भाजपा के पक्ष में आया है। उन्होंने इस आशंका से इन्कार नहीं किया कि भाजपा की 2017 से कम सीटें आ सकती हैं, लेकिन उन्होंने जोड़ा कि भाजपा पूर्ण बहुमत से सरकार बना रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 मार्च को भाजपा स्पष्ट बहुमत से सरकार बना रही है।

संजय निषाद के बिगड़े बोल

अगर जरूरत पड़ी तो थाना फुंकवाकर न्याय दिलाऊंगा!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा गठबंधन व पूर्वांचल के नेता संजय निषाद का एक विवादित बयान वायरल है। फिलहाल इस बयान की पुष्टि 4पीएम नहीं करता है, यह खबर एक वेबसाइट के आधार पर लिखी गई है। उस वेबसाइट की माने तो संजय निषाद ने एक जनसभा में कहा कि हम मोदी से बात करते हैं। अमित शाह से बात करते हैं। योगी से बात करते हैं और अगर जरूरत पड़ी तो थाना फुंकवा कर आपको न्याय दिलाएंगे।

निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद राजनीतिक अखाड़े में जनता को लुभाने के लिए तरह-तरह के बयान दे रहे हैं। बलहा विधानसभा में भाजपा की जनसभा को संबोधित करने पहुंचे निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने कहा कि आप को न्याय दिलाने के लिए जरूरत पड़ी तो थाना फुंकवाकर न्याय दिलाएंगे। ये बातें सुनते ही तालियों की गड़गड़ाहट से पंडाल तो गूंज गया, लेकिन बाद में यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो चारों ओर चर्चाएं शुरू हो गईं। फिलहाल 4पीएम के पास ऐसा कोई वीडियो नहीं है।

डिंपल के प्रचार का सपा को नहीं मिलेगा फायदा: अनुराग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर इस समय गोरखपुर में हैं। यहां वे लगातार सपा पर हमलावर हैं। उन्होंने कहा कि सपा के आतंकवादियों से संबंध है। उन्होंने जनता से अपील की कि जिसने रामभक्तों को भूना, कर दो उनका ईवीएम सूना। कहा कि गोरखपुर में लोग एम्स में इलाज कराने के लिए आते हैं।

फर्टिलाइजर कारखाने से किसानों को खाद मिलती है। यहां से योगी जी को पांच बार सांसद और पांच साल मुख्यमंत्री रहने का अवसर मिला। पहले चार चरण पूरे होने के बाद कह सकता हूं कि सपा, बसपा और कांग्रेस की सफाई करने का काम हुआ है। उन्होंने कहा कि बसपा और कांग्रेस का सफाया हुआ। उन्होंने कहा कि चार चरणों तक अखिलेश के परिवार से कोई नजर नहीं आता और पांचवें चरण में अखिलेश की पत्नी डिंपल प्रकट होती हैं। उन्होंने भगवा रंग का अपमान किया है उनके अंदर ज्ञान की बहुत कमी है। उन्हें यूपी की जनता और संत समाज से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि डिंपल के प्रचार करने से भी सपा को फायदा नहीं मिलेगा, क्योंकि जनता मुख्यमंत्री योगी के साथ है।

लखनऊ के गुडम्बा में 20 झोपड़ी राख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के गुडम्बा में आज सुबह मजदूरों की एक बस्ती में भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही गुडम्बा थाने की पुलिस के साथ दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने तक करीब 20 मजदूरों की झोपड़ियां जलकर राख हो चुकी थीं। गुडंबा के जाहिरपुर गांव में छत्रपाल का खाली प्लॉट है। इसमें असमिया और बंग्लादेशी मजदूर झोपड़ियां बनाकर रहते हैं। पुलिस के मुताबिक सुबह किसी झोपड़ी में चूल्हे से निकली चिंगारी से आग लग गई। देखते-देखते आग फैलती गई। झोपड़ियां आपस मे सटी होने की वजह से आग ने पूरी बस्ती को चपेट में ले लिया। फायर ब्रिगेड को बुलाने के साथ ही पुलिस ने अफरा-तफरी के बीच लपटों में फसे बच्चों और महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकाला।

राजभर का एफबी अकाउंट हैक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

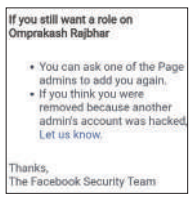

लखनऊ। यूपी चुनाव के बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर का फेसबुक हैक कर लिया गया। ये पता नहीं चल सका है कि हैकिंग किसने की। फिलहाल फेसबुक टीम ने बताया है कि अकाउंट से कोई असामान्य गतिविधि नहीं हुई है। फेसबुक ने राजभर को जवाब देते हुए लिखा है कि आप चाहे तो अपने एडमिन से फिर से अपना अकाउंट जोड़ने के लिए कह सकते हैं। इसके बाद भी अगर आपको लगता है कि आपका अकाउंट हैक कर लिया गया है तो फेसबुक की सिक्योरिटी टीम को बताए। वहीं ओमप्रकाश राजभर अभी इस मामले में चुप है।

हरीश रावत की मोदी से अपील

फंसे लोगों को सुरक्षित लाया जाए

» देश की धरती से तीसरे विश्व युद्ध की भूमिका बन रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। यूक्रेन मामले में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने भी गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इस मामले में भारत सरकार निश्चित तौर पर बातचीत कर रही होगी, लेकिन प्रधानमंत्री को देशवासियों को आश्वस्त करना चाहिए कि वहां फंसे नागरिकों को निकालने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं।

पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा कि यूरोपीय देश की धरती से तीसरे विश्व युद्ध की भूमिका बन रही है। यह अचानक नहीं हुआ है, लंबे समय से ऐसी स्थितियां बन रही थीं। पिछले कुछ हफ्तों से तो स्पष्ट लग रहा था कि युद्ध होगा। ऐसी स्थिति में भारतीय नागरिकों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर ले जाना, केंद्र सरकार का पहला दायित्य था। उत्तरखंड के भी तमाम छात्र वहां अध्ययन करने गए हैं, वह भी फंसे हैं। उनके मां-बाप और प्रत्येक देशवासी बहुत चिंतित है। वहां छात्र बहुत दिक्कत में हैं। केंद्र सरकार ही बातचीत कर वहां फंसे छात्रों को निकाल सकती है। कहा कि हमें अपनी अर्थव्यवस्था की भी चिंता करनी चाहिए। भारत की अर्थव्यवस्था पर निश्चित तौर पर इस युद्ध का दुष्प्रभाव पड़ने जा रहा है।

हरीश रावत को पड़ेगी कुटिया की जरूरत : भसीन

भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत द्वारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर की गई टिप्पणी पर पलटवार किया है। पार्टी ने कहा कि चुनाव हारने के बाद संन्यास के लिए कुटिया की जरूरत हरीश रावत को पड़ेगी। अलग-अलग बयानों में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र भसीन व भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि हरीश रावत ने योगी आदित्यनाथ को लेकर जो बयान दिया है, वह हास्यास्पद है। जिन राज्यों में भी चुनाव हो रहे हैं, भाजपा वहां शानदार तरीके से जीत रही है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो रहा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।